जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

15 अप्रैल 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया स्कूल की दो छात्राएँ प्रतिष्ठित अमेरिकन फील्ड सर्विस (एएफएस) स्टूडेंट एक्सचेंज स्कॉलरशिप प्रोग्राम के लिए चयनित ।

जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल (जेएसएसएस), जामिया मिल्लिया इस्लामिया की दो छात्राओं, दसवीं कक्षा की सुश्री इरशा परवीन और सुश्री अफीफा को अमेरिकी विदेश विभाग, अमेरिकन केंद्र द्वारा प्रायोजित प्रतिष्ठित अमेरिकन फील्ड सर्विस (एएफएस) छात्रवृत्ति के लिए चुना गया है। अमेरिकन फील्ड सर्विस (एएफएस) कार्यक्रम भारत और विदेशों में युवा विद्यार्थियों के लिए एक परिवर्तनकारी अनुभव के रूप में उभरकर सामने आया है, जो युवाओं को दुनिया पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए गहन जुनून को बढ़ावा देने सहित आवश्यक वैश्विक कौशल विकसित करने का अनूठा अवसर प्रदान करता है।

अमेरिकन फील्ड सर्विस (एएफएस) एक वैश्विक गैर-लाभकारी संगठन है जो 100 से अधिक वर्षों से अंतरसांस्कृतिक शिक्षा में अग्रणी रहा है। दुनिया भर में 100 से अधिक देशों में अपनी उपस्थिति के साथ, अमेरिकन फील्ड सर्विस (एएफएस) 57 स्वतंत्र, गैर-लाभकारी संगठनों के माध्यम से कार्य करता है। प्रत्येक अमेरिकन फील्ड सर्विस (एएफएस) संगठन को 55,000 से अधिक स्वयंसेवकों के नेटवर्क तथा 1,100+ कर्मचारियों के पेशेवर कर्मचारी कार्यालय द्वारा समर्थित किया जाता है और इसका नेतृत्व एक स्वयंसेवी बोर्ड द्वारा किया जाता है।

यह छात्रवृत्ति कार्यक्रम चयनित छात्राओं को छात्र विनिमय कार्यक्रम के माध्यम से एक वर्ष हेतु संयुक्त राज्य अमेरिका में अध्ययन करने के अद्वितीय अवसर सहित व्यापक सांस्कृतिक आदान-प्रदान अनुभव प्रदान करता है, जहाँ पर वे छात्र मेजबान परिवारों के साथ रहेंगे। इस छात्रवृत्ति कार्यक्रम का उद्देश्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है, जिससे छात्रों को संयुक्त राज्य अमेरिका में नई संस्कृतियों, परंपराओं और जीवन कौशल के बारे में सीखते हुए भारतीय संस्कृति की विविधता को उन लोगों से साझा करने की अनुमति मिल सके।

चयनित दोनों छात्राओं का चयन व्यापक चयन प्रक्रिया के बाद किया गया, जहाँ उन्हें सम्पूर्ण भारत के स्कूलों के अन्य छात्रों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी । इन चयनित छात्राओं को संयुक्त राज्य अमेरिका के एक स्थानीय हाई स्कूल में क्लास करनी होगी और साथ ही उन्हें सामुदायिक सेवा परियोजनाओं में भाग लेना होगा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी भाग लेना होगा । इसके अतिरिक्त, ये दोनों चयनित छात्राएँ अमेरिकी मेजबान परिवारों के साथ रहेंगी जिससे उन्हें अमेरिकी दैनिक जीवन के बारे में प्रामाणिक जानकारी मिलेगी।

चयनित होने के लिए दोनों छात्राओं को निम्नलिखित चरणों से गुजरना पड़ा: 1. प्रारंभिक आवेदन 2. खोज दिवस 3. मुख्य आवेदन 4. पैनल साक्षात्कार 5. गृह साक्षात्कार 6. अंग्रेजी दक्षता परीक्षा।

चयनित छात्राएँ अपने अमेरिकी साथियों के साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को साझा करेंगी और उन्हें भारतीय परंपराओं, त्योहारों, व्यंजनों और रीति-रिवाजों से परिचित कराएंगी। प्रस्तुतियों, कार्यशालाओं और सांस्कृतिक प्रदर्शनों के माध्यम से चयनित छात्राओं का लक्ष्य भारतीय संस्कृति के प्रति लोगों में गहन अनुभूति, समझ और सराहना की भावना को बढ़ावा देना है।

विभिन्न समुदायों के जीवन मूल्यों, परंपराओं और जीवन शैली के बारे में जानने के लिए चयनित छात्राएँ अपने मेजबान परिवारों और समुदायों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ेंगी । इसके साथ साथ वे पारिवारिक समारोहों, अवकाश समारोहों और स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगी और अमेरिकी समाज के बारे में अंतर्दृष्टि प्राप्त करेंगी तथा एक नए माहौल में सीखते हुए अपनी भारतीय विरासत का प्रतिनिधित्व करेंगी ।

चयनित छात्राएँ अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ सार्थक संबंधों को बढ़ावा देकर अंतर-सांस्कृतिक समझ और संवाद को बढ़ावा देंगी । वे खुले दिलो- दिमाग और सहानुभूति द्वारा भारत और अमेरिका के बीच की खाई को पाटते हुए सांस्कृतिक राजदूत का कार्य करेंगी । अधिगम के दौरान ये दोनों छात्राएँ अपनी भारतीय विरासत का प्रतिनिधित्व करेंगी ।

अमेरिकन फील्ड सर्विस (एएफएस) छात्रवृत्ति उन्हें विदेश में अध्ययन करने और नई संस्कृतियों से परिचित होने का एक परिवर्तनकारी अनुभव प्रदान करती है। इस छात्रवृत्ति कार्यक्रम में अपनी भागीदारी के माध्यम से ये छात्राएँ न केवल अपने जीवन को समृद्ध करेंगी बल्कि भारत और अमेरिका के बीच आपसी समझ के सेतु निर्माण में भी योगदान करेंगी । ये छात्राएँ जुलाई 2024 में अमेरिका के लिए प्रस्थान करेंगी ।

न केवल जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल (जेएसएसएस), बल्कि भारत का भी प्रतिनिधित्व करने वाले राजदूत के रूप में इन छात्राओं के कंधों पर हमारे देश, हमारे समुदाय और हमारी दृष्टि को एक नई रोशनी में प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी है । यह वह रोशनी है जो भौगोलिक और भावनात्मक सीमाओं से आगे जाती है और हमें वैश्विक नागरिकों के रूप में प्रेम, करुणा का पाठ पढ़ाती है और एक-दूसरे की देखभाल तथा सहायता करने की नई सीख देती है ।

जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल (जेएसएसएस) और जामिया मिल्लिया इस्लामिया की ओर से दोनों छात्राओं को सांस्कृतिक आदान-प्रदान और व्यक्तिगत विकास की उनकी यात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित है ।

जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा सह-शैक्षणिक और पाठ्यचर्या संबंधी उद्देश्यों के तहत सभी छात्रों को स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के माध्यम से अपनी शिक्षा को कक्षाओं की चार दीवारी से बाहर दूर तक ले जाने के लिए और अधिगम रणनीतियों में विविधता लाने के लिए सदैव प्रोत्साहित किया जाता है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया